मानसून में फूड भी बना रहा है बीमार

iALERT

गवर्नमेंट हास्पिटल में डेली आ रहे हैं 20-25 फूड प्वाइजनिंग के केस

P.C. ZAFAR JAGRAN ARCHIVE



जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लगातार बढ़ रहे हैं फूड प्वाइजनिंग के पेशेंट्स की संख्या

फूड प्वाइजनिंग के आने वाले केसेज में बच्चे और महिलाएं सबसे अधिक

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (30 July): मानिटर कई लोगों के लिए सुरक्षित रहता है तो कुछ लोगों के लिए बीमारी का सबब बन जाता है. मानसून तो रहे बारिश और बढ़ी हुई नमी के कारण फूड प्वाइजनिंग के केसेज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों में रोजाना 20 से 25 पेशेंट्स फूड प्वाइजनिंग की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं. इनमें सबसे ज्यादा संख्या बच्चों और महिलाओं की है. डॉक्टर्स की मानें तो बारिश के मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं और सीधा बीमार कर जाते हैं. जिसमें पैथोजेनिक बैक्टीरिया और खासकर ई.कोलाई से पनपते हैं और सीधा बीमार कर जाते हैं. ऐसे में खान-पान और खास सावधानी को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. खासकर मानसून शिशु और 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए ज्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है. ज्यादा देर का बोतल में रखा दूध या फिर बाहर का फूड बच्चों में फूड प्वाइजनिंग का कारण बन सकता है.

बरेली में बढ़ता है संक्रमण

सीनियर फिजीशियन डॉ. आलम शोएब अंसारी की मानें तो मानसून के दौरान नमी में लगातार बढ़ोतरी से कई तरह के संक्रमण होते हैं. इनमें पेचिश जैसे संक्रमण के साथ-साथ हैजा जैसी खतरनाक बीमारी भी शामिल होती हैं. इसी